चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	19-5-25	3	1-8

अमर उजाला

हरियाणवी ग्रामीण संस्कृति की अनूठी धरोहर है हिसार का मंगल सेन संग्रहालय

सुरेंद्र दलाल

हिसार। कृषि, किसान और गांव के लिए प्रसिद्ध प्राचीन हरियाणा की झलक हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय में देखने को मिली है। यह कृषि विज्ञान और हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति की अनूठी धरोहर है। हरियाणवी संस्कृति से लेकर कृषि के बारे में इस संग्रहालय में कई जानकारी उपलब्ध हैं। यहां पर कृषि के बीज से लेकर उसके अंकुरित होने, पौधा बनने, पौधे से उत्पादन तक की पूरी प्रक्रिया बड़ी-स्क्रीन पर देखी जा सकती है। दशकों पुरानी रंग-बिरंगी तितलियां भी यहां म्यूजियम का हिस्सा हैं। यह कृषि विज्ञान और हरियाणवी संस्कृति के समागम वाला संग्रहालय है।

दीवारें बोलती हैं
हरियाणा के संग्रहालय 2

हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा को संग्रहालय में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकी आंकड़ों के साथ दर्शाया गया

दशकों पुरानी रंग -बिरंगी तितली भी यहां म्यूजियम का बनी हैं हिस्सा

हिसार। एचएयू के संग्रहालय में रखा गया प्राचीन रथ। फोटो : अमर उजाला

हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा को संग्रहालय के प्रारंभ में ही सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकी आंकड़ों को बैक-लिट डिस्प्ले पैनल्स के माध्यम से दर्शाया गया है। बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आयामी भित्ति-चित्रों से दर्शाया गया है, जिनकी विस्तृत व्याख्या के लिए टच-स्क्रिन कियोस्क लगाए गए हैं। किसान विकास यात्रा को प्री-हिस्टोरिक, सिंधु घाटी की सभ्यता, वैदिक काल, मुगलकाल, ब्रिटिशकाल एवं स्वतंत्र भारत आदि चरणों में दर्शाया गया है। हरियाणा में पाए जाने वाली विभिन्न प्रकार की मिट्टी एवं फसलों का मॉडल, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन मॉडल अपने क्रीड़ों के मॉडल लगाए गए हैं।

हरियाणवी संस्कृति के इतिहास की जानकारी देने के लिए एक लघु पुस्तकालय की भी स्थापना की गई है, जिसमें कृषि और कृषि यंत्रों के विकास की जानकारी है। हमारे बुजुर्ग अपने आसपास से प्राप्त सामान से ही कृषि यंत्र व कृषक उपयोगी वस्तुएं तैयार करते थे। चाहे सरकण्डा या तूलियों से छाज, खारी मूढे तैयार करने का कार्य हो चाहे सण की रस्सियों से खाट पीढे भरने का सब कार्यों में दक्ष थे। चाहे मिट्टी के बर्तन हों या चमड़े, लकड़ी व लोहे के औजार हो सब कुछ गांव के कारीगर ही तैयार करते थे।

इस प्रदर्शनी में लगे हारे-चूल्हे हों या चक्की चरखे सभी के सभी गांवों के स्वावलंबी होने की कहानी कहते हैं। वस्त्रों के निर्माण और उन पर कढ़ाई व फसीदाकारी की कला हमें हमारी ग्रामीण महिलाओं की कलात्मकता के दर्शन कराती है। अनाज प्रसंस्करण, दूध बिलोना और सामूहिक तौर पर चरखा कातना महिलाओं को स्वस्थ और तनावमुक्त रखने में अत्यंत सहायक था। गंडासे से स्वयं चारा काटना, बैलों से हल जोतना, कस्सी व कसौले से नलाई करना पुरुषों की सेहत का राज रहा है।

70 साल पुराना कड़ाहा 100 साल पुराना रथ

70 साल पुराना कड़ाहा, चौसर की बिसात और अभिमन्यु के चक्रव्यूह वाली चारपाई, कागज की लुगदी और मिट्टी एवं लकड़ी के बने बर्तन, चरखे, दामण, कुर्ता, दुल्हन को लाने वाला 100 साल पुराना रथ, नगाड़ा सहित अन्य सम्मान इसकी संग्रहालय की विशेषता है। यह संग्रहालय 6.14 करोड़ रुपये की लागत से 1488 वर्ग मीटर में तैयार किया गया है।

हिसार। एचएयू में रखे मिट्टी के पारंपरिक बर्तन। फोटो : अमर उजाला

यह संग्रहालय हर किसी को देखना चाहिए। खासतौर पर हरियाणा के विद्यार्थियों को इसका अवलोकन जरूर करना चाहिए, जिससे वह खेती की जानकारी के साथ ही हमारी पुरानी परंपरा, खान-पान, खान-पान, कृषि औजारों के बारे में जानकारी ले सकते हैं। यह विज्ञान और परंपरा का समागम वाला संग्रहालय है। -प्रो. चीआर कांबोज, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	18.5.25	12	5-6

हिसार। तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

सेना की शौर्य गाथा पर सभी देशवासियों को गर्व : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। जल, थल और वायु सेना सहित अन्य सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने शनिवार को कहा कि हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है। हमारी सेना ने विश्व में अपने पराक्रम का लोहा मनवाया। भारतीय सेना के कारण देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्यगाथा को विश्व में माना जाता है। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत की सैन्य ताकत को सम्मान देने के लिए निकाली गई। भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारों से गुंजता वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कुलपति सचिवालय से विश्वविद्यालय के गेट न. 4 तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने बढ़ चढक़र भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.5.25	2	4-5

हकृवि में सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

हिसार, 17 मई (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। जल, थल और वायु सेना सहित अन्य सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज तिरंगा यात्रा में भाग लेते हुए।

हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.5.25	5	4-5

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज तिरंगा यात्रा में भाग लेते हुए।

भारतीय सेना ने अपने पराक्रम का विश्व में लोहा मनवाया : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। जल, थल और वायु सेना सहित अन्य सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है। हमारी सेना ने विश्व में अपने पराक्रम का लोहा मनवाया। भारतीय सेना के कारण देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्यगाथा को विश्व में माना जाता है। उन्होंने कहा कि सेना के जवान अपनी जान हथेली पर रखकर हमारी सेवा करते हैं। राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए एकजुटता की भावना होना बहुत जरूरी है। तभी दूसरे देश की आतंक विरोधी गतिविधियों को तहस-नहस करके उनके मनोबल को तोड़ा जा सकता है। कुलपति सचिवालय से विश्वविद्यालय के गेट न. 4 तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.5.25	3	4

एचएयू में निकाली गई तिरंगा यात्रा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा देशभक्ति की भावना और सेना के सम्मान में आयोजित की गई। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने कहा भारतीय सेना ने अद्भुत पराक्रम दिखाया है। देश की सुरक्षा सेना के कारण ही संभव है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि वह हर मोर्चे पर सक्षम है। जल, थल और वायुसेना के संयुक्त पराक्रम ने भारत को मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए एकजुटता जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18.5.25	2	7-8

तिरंगा यात्रा निकाल सैनिकों को बढ़ाया मान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। सेना के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने हरी झंडी दिखाकर किया। कुलपति ने कहा कि हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है। कुलपति सचिवालय से विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	18.05.2025	--	--

भारतीय सेना ने अपने पराक्रम का विश्व में लोहा मनवाया : कुलपति

- हकृवि में सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 17 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। जल, थल और वायु सेना सहित अन्य सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है। हमारी सेना ने विश्व में अपने पराक्रम का लोहा मनवाया। भारतीय सेना के कारण देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्यगाथा को विश्व में माना जाता है। कुलपति ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश के नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत करना, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता को भी मजबूत करना है। राष्ट्रीय ध्वज प्रत्येक नागरिक के दिल में सम्मान, समर्पण और गर्व की भावना को जागृत करता है। भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारों से गुंजता वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कुलपति सचिवालय से विश्वविद्यालय के गेट न. 4 तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

हकृवि में निकाली गई तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	17.05.2025	--	--

हकृवि में सेना के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जल, थल और वायु सेना सहित अन्य सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर किया।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है। हमारी सेना ने विश्व में अपने पराक्रम का लोहा मनवाया। भारतीय सेना के कारण देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्यगाथा को विश्व में माना जाता है। उन्होंने कहा कि सेना के जवान अपनी जान हथेली पर रखकर हमारी सेवा करते हैं। राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए एकजुटता की भावना होना बहुत जरूरी है। तभी दूसरे देश की आतंक विरोधी गतिविधियों को तहस-नहस करके उनके मनोबल को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए हर मोर्चे पर सक्षम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.05.2025	--	--

हकृवि में सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। जल, थल और वायु सेना सहित अन्य सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान में निकाली गई इस यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हमारी सेना ने अभूतपूर्व कार्य किया है। सेना की इस शौर्य गाथा पर समूचे देशवासियों को गर्व है। हमारी सेना ने विश्व में अपने पराक्रम का लोहा मनवाया। भारतीय सेना के कारण देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्यगाथा को विश्व में माना जाता है। उन्होंने कहा कि सेना के जवान अपनी जान हथेली पर रखकर हमारी सेवा करते हैं। राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए एकजुटता की भावना होना बहुत जरूरी है। तभी दूसरे देश की आतंक

विरोधी गतिविधियों को तहस-नहस करके उनके मनोबल को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए हर मोर्चे पर सक्षम है। जल, थल और वायुसेना के संयुक्त पराक्रम ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत विश्व में एक मजबूत राष्ट्र बनकर उभर रहा है।

कुलपति ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश के नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत करना, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता को भी मजबूत करना है। राष्ट्रीय ध्वज प्रत्येक नागरिक के दिल में सम्मान, समर्पण और गर्व की भावना को जागृत करता है। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत की सैन्य ताकत को सम्मान देने के लिए निकाली गई। भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारों से गूंजता वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कुलपति सचिवालय से विश्वविद्यालय के गेट न. 4 तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।